

कॉमन फ्रेमवर्क फॉर रिस्पॉन्सिबल पर्चेजिंग प्रैक्टिस इन मैनुफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज (CFRPP MI)

मैनुफैक्चरिंग सप्लाई चेन में लोचशीलता

विजन 1-मार्च 2025

एथिकल ट्रेडिंग इनिशिएटिव (**Ethical Trading Initiative & ETI**) द्वारा विकसित यह फ्रेमवर्क विनिर्माण उद्योगों के लिए 'जिम्मेदार खरीद प्रथाओं' का संक्षिप्त विवरण देता है।

मैनुफैक्चरिंग उद्योग में व्यापक प्रकार के उत्पाद, सेक्टर व प्रक्रियाएं आती हैं, जिसके लिए 'जिम्मेदार खरीद प्रथाओं' में अंतर हो सकता है (उदाहरण के लिए, नवीकरणीय ऊर्जा, पत्थर, इस्पात, घरेलू सामान, कंस्ट्रक्शन, सौंदर्य, आदि)। यह फ्रेमवर्क चर्चा व कार्रवाई के लिए एक आम भाषा और संरचना प्रदान करने के लिए एक मुख्य संदर्भ दस्तावेज के रूप में कार्य करता है, जिसके बाद इन उद्योगों के विभिन्न तत्वों के लिए दिशानिर्देश विकसित किए जा सकते हैं।

यह दस्तावेज इनिशिएटिव ग्लोबल सॉलिडेरिटी (**IGS**) की सहायता से **Deutsche Gesellschaft für Internationale** को लिखा गया था, जिसे **Economic Cooperation and Development** की ओर से **Zusammenarbeit (GIZ) GmbH** को क्रियावित किया गया था।

IGS INITIATIVE FOR
GLOBAL SOLIDARITY

Federal Ministry
for Economic Cooperation
and Development

**Ethical
Trading
Initiative**

परिचय

जिम्मेदारीपूर्ण खरीद प्रथाएं

तैयार माल को खरीदने वाली कंपनियों की खरीद प्रक्रियाओं के भीतर रोजमर्रा की प्रथाओं का सप्लाई चेन में कार्यरत कामगारों की स्थितियों के ऊपर काफी प्रभाव पड़ता है। गलत पूर्वानुमान, अल्पकालिक योजना, अंतिम समय में ऑर्डर में परिवर्तन, उत्पादन लागत से कम कीमत, देर से भुगतान और अपर्याप्त सैम्पलिंग इत्यादि ऑर्डर के प्रबंधन और सप्लायरों की वित्तीय स्थिरता पर नकारात्मक रूप से प्रभाव डाल सकते हैं। इससे अत्यधिक ओवरटाइम, कम वेतन, बुरा स्वास्थ्य और सुरक्षा की स्थिति तथा अस्थायी श्रम के बहुत अधिक उपयोग जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

मैनुफैक्चरिंग उद्योग में कई सेक्टर शामिल होते हैं, जिनमें से प्रत्येक कई प्रकार के जटिल सप्लाई चेन से निपटता है। इनमें से कुछ उद्योग दूसरे की तुलना में अपेक्षाकृत नए हैं, जिसके कारण उनके परिचालनों से जुड़े संदर्भ और चुनौतियां अलग-अलग दिखाई पड़ती हैं। इस प्रकार, जिम्मेदारीपूर्ण खरीद के लिए कोई एक-आकार सभी के लिए सही नहीं होता है। सप्लाई चेन संरचना, बिजनेस मॉडल, परिचालन से जुड़े संदर्भ

कंपनी का आकार और लाभ, आपूर्तिकर्ता के संदर्भ में आपूर्तिकर्ता और उनके कामगारों को खरीदकर्ता कंपनी द्वारा प्रभावित करने की प्रथा पर असर डालते हैं।

सप्लायरों और कामगारों तथा/या उनके वैध प्रतिनिधियों समेत हितधारकों के साथ सार्थक रूप से जुड़ना¹, खरीद प्रथाओं के संभावित प्रभावों को समझने व व्यावहारिक समाधान खोजने के लिए जरूरी होता है। संवाद को बढ़ावा देने और इनपुट हासिल करने से, कंपनियां अधिक संसूचित निर्णय ले सकती हैं, जो खरीद प्रथाओं और कामगारों की जीवन-यापन दोनों को बढ़ावा दे सकती हैं, जिससे सभी के लिए सकारात्मक परिणाम तय होते हैं।

खरीद प्रथाओं की समीक्षा व सुधार करने तथा सप्लायरों के साथ साझेदारी वाली विधि बनाने में समय और संसाधनों का निवेश करने से व्यवसायों को काफी लाभ हो सकते हैं, जिसमें बेहतर संचार, नियोजन तथा खरीद प्रक्रियाओं के जरिए अधिक स्थिर और भरोसेमंद सप्लाई चेन और दक्षता लाभ शामिल हैं।

खरीद को लेकर एक जिम्मेदार रुख सप्लायर के प्रभावी रूप से प्रॉडक्शन प्लान बनाने, काम के घंटों का

प्रबंधन करने, कामगारों को उचित भुगतान करने तथा स्वास्थ्य, सुरक्षा व श्रम स्थितियों में सुधार करने में निवेश करने की क्षमता में योगदान देता है। बदले में यह उत्पादकता को बढ़ावा देने, सप्लायर के कार्यबल को स्थिर करने और लचीलापन बनाने में मदद करता है। बेहतर प्रथाएं नुकसान को रोकने और सप्लाई चेन में सामाजिक और पर्यावरणीय दोनों सुधारों को सुगम बनाने में योगदान दे सकता है। इसके अतिरिक्त, यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे सप्लाई चेन के नुकसान में योगदान नहीं दे रहे हों, खरीद प्रथाओं की समीक्षा करना और उन्हें बेहतर बनाना हाल के मानवाधिकार के अनुरूप कानून के अनुपालन का एक अनिवार्य अंग है।

इस का एक मूलभूत सिद्धांत यह है कि खरीद करने वाली कंपनियों को सप्लाई चेन में विकसित श्रम मानकों को पूरा करने के लिए साझा जिम्मेदारी लेनी चाहिए और इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उनके अपने कामकाज, इन मानकों को पूरा करने की सप्लायरों की क्षमता को सीमित न करे या उसे कमजोर न करे।

इस फ्रेमवर्क का उपयोग

मैनुफैक्चरिंग उद्योगों में CFRPP जिम्मेदारीपूर्ण खरीद के पांच प्रमुख 'सिद्धांतों' के जरिए जिम्मेदार खरीद प्रथाओं पर एक साझा भाषा प्रस्तुत करता है। हरेक सिद्धांत के अंतर्गत कंपनियों के लिए अपने खुद के व्यवसाय में RPP स्थापित करने के लिए क्रियांवयन व निर्माण के लिए 'प्रथाएं' मौजूद हैं।

इस फ्रेमवर्क का उद्देश्य कंपनियों को उनके खरीद प्रथाओं को इंटरनेशनल ह्यूमैन राइट्स ड्यू डिलिजेंस (HRDD) मानकों के साथ तालमेल बनाने में सहायता करना है, जिसमें व्यापार और मानवाधिकारों से जुड़े संयुक्त राष्ट्र के मार्गदर्शक सिद्धांत [UN Guiding Principles on Business and Human Rights](#), [OECD](#) दिशानिर्देश व [HRDD](#) के आने वाले कानून शामिल हैं।

यह कंपनियों को हितधारकों के साथ जुड़ने, व्यावहारिक कदम उठाने और उनकी आपूर्ति श्रृंखलाओं में उत्तम श्रम मानकों के लिए एक समर्थ माहौल को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए जिम्मेदार खरीद प्रथाओं की रूपरेखा पेश करता है। HRDD के उभरते कानून इस समझ को दर्शाते हैं – खासतौर से यूरोपीय यूनियन के कॉर्पोरेट सस्टेबिलिटी ड्यू डिलिजेंस डाइरेक्टिव (CSDDD), जिन्हें खरीददार कंपनियों के नुकसान को रोकने के लिए जोखिम आकलन के दौरान स्पष्ट रूप से अपनी प्रथाओं का आकलन करने और अनुकूलन करने की जरूरत होती है।

इस संबंध को और स्पष्ट करने के लिए, ETI ने एक दस्तावेज तैयार किया है, जिसमें बताया गया है कि [CSDDD and CFRPP MI](#) कैसे आपस में जुड़े हुए हैं।

इस दस्तावेज का उद्देश्य विनिर्माण उद्योगों के लिए RPPs का व्यापक विवरण देना है, ताकि एक स्थिर फ्रेमवर्क मुहैया कराया जा सके, जो खास आपूर्ति श्रृंखलाओं के अनुरूप अधिक बारीक मार्गदर्शन के विकास को बढ़ावा देता हो। यह फ्रेमवर्क अनुपालन कार्यक्रमााली नहीं है और मौजूदा विनियामक ढांचों को शामिल या बदलने करने का प्रयास नहीं करता है।

प्रत्येक कंपनी इसे जिस प्रकार लागू करती है, वह अलग-अलग होगा। प्रथाएं कमोबेश प्रारंभिक बिंदु, सप्लाई चेन, व्यवसाय मॉडल, आकार, परिचालन से जुड़े संदर्भ, स्वामित्व और संरचना के आधार पर लागू होंगे। सभी उप-सिद्धांत हर सप्लाई चेन पर लागू नहीं होंगे, मगर संबंधित हितधारकों से परामर्श किए बगैर धारणा बनाने से बचना जरूरी होता है।

यदि कोई प्रथा लागू नहीं होती है, तो खरीद करने वाली कंपनी को उन प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिनके बारे में उन्हें लगता है कि वे कामगारों के लिए विपरीत जोखिमों की गंभीरता और संभावना के आधार पर प्रभावी होंगे। इसमें जोखिमों का आकलन उनके कारणों व योगदान करने वाले कारकों, उनके प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष प्रभावों और उन पर कंपनी की बढ़त और प्रभाव का मूल्यांकन कर और उसी के अनुरूप कार्रवाई को प्राथमिकता देना शामिल है²।

खरीद प्रथाओं, जैसे कि लीड टाइम, पूर्वानुमान लगाना या मूल्य निर्धारण को देखते समय, कंपनियों को एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और कामगारों के ऊपर पड़ने वाले व्यापक प्रभाव पर विचार करना चाहिए।

उदाहरण के लिए, ओवरटाइम से बचना, जीवन-यापन योग्य वेतन के अभाव में कामगारों के लिए एक बढ़िया आय कमाने की आवश्यकता के एवज में देखा जाना चाहिए।

यह फ्रेमवर्क आखिरकार कामगारों की स्थितियों में सुधार से जुड़ा है और खरीद प्रथाओं में विवेकपूर्ण समायोजन इस लक्ष्य का समर्थन कर सकते हैं। इस दस्तावेज में प्रथाओं को लागू करने वाले आवश्यक सभी विवरण शामिल नहीं हैं।

व्यावहारिक क्रियांवयन को बढ़ावा देने के लिए, विभिन्न प्रकार की मैनुफैक्चरिंग सप्लाई चेन्स हेतु, समय के साथ इस दस्तावेज को मुक्कमल बनाने के लिए आगे के दिशानिर्देश विकसित किए जा सकते हैं।

खरीद प्रथाएं आपूर्ति श्रृंखला में पर्यावरणीय प्रभावों में भी योगदान दे सकती हैं, मगर इस ढांचे का प्राथमिक ध्यान श्रम मानकों और कार्य दशाओं के ऊपर पड़ने वाला प्रभाव है।

जिम्मेदार RPPs के अलावा, संगठन बनाने की आजादी और संगठन के स्तर पर सौदेबाजी करने, प्रभावी शिकायत तंत्र, निवारण तक पहुंच प्रदान करना और उसमें योगदान देना, ह्यूमैन राइट ड्यू डिलिजेंस और सप्लाई चेन की स्थितियों में सुधार करने में सबसे अहम होते हैं। इन्हें अन्य दिशानिर्देशों में शामिल किया गया है।



फ्रेमवर्क का सारांश

सिद्धांत 1: आंतरिक एकीकरण



खरीद करने वाली कंपनी के पास शीर्ष नेतृत्व की सहमति और RPPs के प्रति प्रतिबद्धता है, तथा मौजूदा आपूर्तिकर्ताओं व खरीद प्रणालियों और मानवाधिकारों पर उनके संभावित प्रभाव की संपूर्ण समझ है। इस जानकारी का उपयोग एक ऐक्शन प्लान विकसित करने के लिए किया जाता है।

RPPs को सभी व्यापारिक कार्यों और अन्य प्रासंगिक विभागों में एकीकृत किया जाता है।

इसमें शामिल है:

- आंतरिक तालमेल व जिम्मेदारियां।
- जोखिम/प्रभाव मूल्यांकन।
- ऐक्शन प्लान।
- आंतरिक प्रशिक्षण।
- क्रॉस-फंक्शनल कम्प्यूनिकेशन।
- एकीकृत रणनीति व निर्णय लेना।
- आंतरिक जवाबदेही और प्रदर्शन मूल्यांकन।
- प्रगति पर नजर रखना।
- रिपोर्टिंग और पारदर्शिता।

सिद्धांत 2: समान साझेदारी



खरीद करने वाली कंपनी और उनके सप्लायर समान व्यावसायिक साझेदारों के रूप में एक-दूसरे का सम्मान करते हैं, सम्मानजनक सोर्सिंग डायलॉग से जुड़े होते हैं और समान दशाओं को बेहतर बनाने की साझा जिम्मेदारी के साथ बेहद अनुकूल स्थिति हासिल करते हैं।

इसमें शामिल हैं:

- RPPs के प्रति प्रतिबद्धता का संचार करना।
- आपसी जिम्मेदारियों पर सहमति बनाना।
- स्थिर, दीर्घकालिक सोर्सिंग संबंध।
- संचार व समस्या समाधान के लिए साझेदारी वाला नजरिया।
- प्रभावी सुझाव प्रणाली।
- निरंतर सुधार को बढ़ावा देना।
- सप्लायरों का मूल्यांकन तथा इंसेंटिव।
- बढ़त बनाने और निर्भरता के बारे में जागरूकता।
- बिजनेस में जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से कमी लाना और बिजनेस से बाहर निकलना।
- B2B साझेदारी में जिम्मेदार प्रथाओं को बढ़ावा देना।

सिद्धांत 3: सहयोगात्मक उत्पादन योजना



निर्णायक पथ व उत्पादन नियोजन कंपनी और सप्लायरों के बीच सहयोगात्मक रूप संपन्न किया जाता है, जिसमें जोखिम और जवाबदेही का उचित बंटवारा होता है, और श्रमिकों के अधिकारों व श्रम दशाओं के लिए उचित विचार किया जाता है।

इसमें शामिल हैं:

- आपस में सहमत, उचित लीड टाइम।
- अहम पथ अनुपालन।
- स्थिर, दीर्घकालिक सोर्सिंग संबंध।
- सटीक विनिर्देशन।
- बिजनेस में सटीक पूर्वानुमान सटीकता व कम्प्यूनिकेशन में सुधार।
- ऑर्डरों में उतार-चढ़ाव के प्रभावों को कम करना।
- ऑर्डरों को संतुलित करना।
- कम्प्लेंट सप्लाइ।
- सैम्पल्स दक्षता।

सिद्धांत 4: उचित भुगतान व अनुबंध शर्तें



खरीद करने वाली कंपनी और सप्लायर उचित व पारदर्शी भुगतान तथा शर्तों पर सहमत होते हैं, जो किसी एक पक्ष पर ज्यादा बोझ नहीं डालते हैं। अनुबंधात्मक दायित्वों पर आपसी सहमति होती है, उनका सम्मान किया जाता है, और भुगतान पूरा और समय पर किया जाता है।

इसमें शामिल हैं:

- अनुबंध का जिम्मेदारीपूर्ण मोलतोल।
- आपसी सहमति से अनुबंधात्मक आश्वासन।
- भुगतान समय पर किया जाना सुनिश्चित करना।
- भुगतान समय-सीमा में सुधार करने का लक्ष्य।
- आपसी सहमति वाली कीमतों में कोई पूर्वव्यापी परिवर्तन नहीं।
- डिलीवरी में किसी भी देर के कारण को ध्यान में रखते हुए उचित पेनल्टीज पर आपसी सहमति।
- पेनल्टीज को कम करने का लक्ष्य।
- आपूर्ति श्रृंखला के जरिए उचित भुगतान अशर्तों को बढ़ावा देना।

सिद्धांत 5: धारणीय लागत



खरीद करने वाली कंपनी के कॉस्टिंग लेवल और प्रक्रियाएं वेतन वृद्धि व धारणीय उत्पादन का समर्थन करती हैं। कीमतें जिम्मेदार व्यावसायिक आचरण के अनुरूप उत्पादन की सभी लागतों को शामिल करती हैं और एक उचित और बरकरार रखे हुए आपूर्तिकर्ता लाभ मार्जिन की अनुमति देती हैं।

इसमें शामिल हैं:

- सभी श्रम लागतों के लिए कॉस्टिंग सुनिश्चित करने के लिए प्रणाली विकसित करना।
- वेतन व लागत वृद्धि (राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन और/या संगठन स्तर पर होने वाली सौदेबाजी के जरिए) को शामिल करना।

जीवन-यापन वेतन:

- जीवन-यापन वेतन अंतर को समझना।
- जीवन-यापन वेतन के लिए कॉस्टिंग रणनीति।
- कामगार/कामगारों का प्रतिनिधित्व।



खरीद करने वाली कंपनी के पास शीर्ष नेतृत्व का जुड़ाव और RPPs के प्रति प्रतिबद्धता है, तथा मौजूदा आपूर्तिकर्ताओं व खरीद प्रणालियों और मानवाधिकारों पर उनके संभावित प्रभाव की संपूर्ण समझ है। इस जानकारी का उपयोग ऐक्शन प्लान विकसित करने के लिए किया जाता है। RPPs को सभी व्यापारिक कार्यों और अन्य संबंध विभागों में एकीकृत किया जाता है।



1.1 आंतरिक तालमेल एवं जिम्मेदारियां

- खरीद प्रथाओं की समीक्षा व सुधार हेतु आंतरिक तालमेल/सहभागिता हासिल की जाती है, जिसमें शीर्ष नेतृत्व प्रतिबद्धता सुनिश्चित करना, पर्याप्त संसाधन आवंटित करना, जागरूकता बढ़ाना और प्रमुख विभागों/कार्यों में कार्रवाई व क्रियांवयन को आगे बढ़ाने के लिए चैंपियंस की पहचान करने जैसे कार्य किए जाते हैं।
- RPPs के कार्यान्वयन की देखरेख करने के लिए आवश्यक क्षमता, ज्ञान व अनुभव वाले वरिष्ठ कर्मचारियों को जिम्मेदारियां बताई और आवंटित की जाती हैं।

1.2 जोखिम/प्रभाव मूल्यांकन

- खरीद करने वाली कंपनी अपनी खरीद प्रथाओं पर जोखिम मूल्यांकन करती है और यह पहचानने की कोशिश करती है कि ये उनकी सप्लाई चेन में मानवाधिकार जोखिमों से कैसे जुड़ी हैं। इसमें शामिल हैं:
 - पर्चेजिंग प्रोटोकॉल की समीक्षा, यह देखना कि क्या प्रोटोकॉल का प्रभावी ढंग से पालन किया जा रहा है, और सप्लायरों और वाणिज्यिक कार्यों के लिए इंसेंटिव प्रणाली क्या है।
 - इन खरीद प्रथाओं के प्रभाव पर सार्थक हितधारक जुड़ाव (सप्लायर फीडबैक और वर्कर प्रतिनिधियों की ओर से इनपुट)।
 - अपनी सप्लाई चैनस और उप-स्तरो की प्रकृति को समझना सप्लायरों को निर्देश देना।
 - विभिन्न सप्लाई चेन की संरचनाओं और भौगोलिक क्षेत्रों में मौजूद चुनौतियों व जोखिमों पर विचार करना।
- यह प्रक्रिया चक्रीय है, जो प्रतिक्रियाशील और नियमित रूप से संशोधित होती है।

1.3 ऐक्शन प्लान

- जोखिम/प्रभाव मूल्यांकन (1.2) के आधार पर, खरीद करने वाली कंपनी जिम्मेदारियों, लक्ष्यों व उपायों समेत अधिक जिम्मेदारीपूर्ण खरीद प्रथाओं को हासिल करने के लिए एक योजना विकसित करती और उसे लागू करती है।
- ये कार्रवाई प्रतिकूल जोखिम/प्रभाव की गंभीरता तथा संभावना पर आधारित होगी।
- संबद्ध स्टाफ प्राथमिकताओं पर सहमत होते हैं और संसाधन/बजट असाइन किए जाते हैं।

1.4 आंतरिक प्रशिक्षण

- खरीद करने वाली कंपनी उन सभी कर्मचारियों के लिए जिम्मेदारीपूर्ण सोर्सिंग पर प्रशिक्षण व विकास प्रदान करती है जिनके निर्णय और प्रथाएं, खरीद प्रथाओं और/या सप्लायरों को प्रभावित करते हैं।
- यह प्रशिक्षण:
 - रोजमर्रा की प्रथाओं में बदलाओं को लागू करने पर टिकी और केंद्रित है।
 - मुख्य व्यापारिक कार्यों के लिए आंतरिक अनुपालन के मामले के रूप में निर्धारित किया गया है।
 - कंपनी में आने पर संबद्ध स्टाफ के लिए प्रदान किया जाता है और नियमित रूप से दोहराया जाता है।

1.5 क्रॉस-फंक्शनल कम्प्युनिकेशन

- जिम्मेदार सोर्सिंग टीमों, खरीद करने वाली टीमों, तकनीकी टीमों, संबद्ध सप्लाई चेन फंक्शंस (और अन्य कर्मचारी जिनके कार्य सप्लायरों/श्रमिकों को प्रभावित करते हैं) नियमित रूप से जानकारी का आदान-प्रदान करते हैं, ताकि सप्लायरों के प्रति संरेखित संचार और कार्रवाई की जा सके।

1.6 एकीकृत रणनीति और निर्णय लेने की प्रक्रिया

- खरीद फंक्शंस के पास जिम्मेदार सोर्सिंग टीमों के समर्थन के साथ RPP का स्वामित्व होता है।
- RPPs को रोजमर्रा के व्यावसायिक निर्णयों में एकीकृत किया जाता है।
- जिम्मेदार सोर्सिंग टीमों और विचारों को सोर्सिंग/व्यापारिक विचारों के साथ-साथ निर्णय लेने का अधिकार है।
- सप्लाई ऐग्रीमेंट्स, सोर्सिंग लोकेशनों, या सप्लायरों को शामिल करने/डी-लिस्ट करने में अहम बदलाव करने से पहले संबंधित फंक्शंस से परामर्श किया जाता है।

1.7 अंतर्राष्ट्रीय जिम्मेदारी तथा प्रदर्शन मूल्यांकन

- RPPs को नौकरी की भूमिका दक्षताओं और शीर्ष नेतृत्व समेत संबंध व्यापारिक कार्यों के प्रदर्शन की समीक्षा में शामिल किया जाता है।
- KPIs के अनुरूप खरीद निर्णयों और गतिविधियों को प्रोत्साहित करने हेतु नेतृत्व व व्यापारिक कार्यों के लिए KPIs] टारगेट और इंसेंटिव्स निर्धारित किए जाते हैं।

1.8 प्रगति पर नजर रखना

- खरीद करने वाली कंपनी की जिम्मेदारीपूर्ण खरीद प्रथाओं को लागू करने की प्रगति और उनके प्रभाव का नियमित रूप से मूल्यांकन किया जाता है, और कंपनी अपनी प्रथाओं को उसी के अनुसार फेर-बदल करती है।

1.9 रिपोर्टिंग और पारदर्शिता

- खरीद करने वाली कंपनी की RPPs को लागू करने की प्रगति को सार्वजनिक रूप से बताया जाता है, जिससे पारदर्शिता को बढ़ावा मिलता है (उदाहरण के लिए इसे अपनी सस्टेनैबिलिटी रिपोर्ट में शामिल किया जाता है या सप्लायरों की मैपिंग की जाती है)।



खरीद करने वाली कंपनी और उनके सप्लायर समान व्यावसायिक साझेदारों के रूप में एक-दूसरे का सम्मान करते हैं, सम्मानजनक सोर्सिंग डायलॉग से जुड़े होते हैं। और कार्य दशाओं को बेहतर बनाने की साझा जिम्मेदारी के साथ बेहद अनुकूल स्थिति हासिल करते हैं।

2.1 प्रतिबद्धता

- खरीद करने वाली कंपनी सक्रिय रूप से सप्लायरों को RPPs और श्रम अधिकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के बारे में बताती है। इसमें यह बताया जाता है कि कंपनी का उद्देश्य स्थिर, दीर्घकालिक व्यावसायिक संबंध विकसित करना और उसे बनाए रखना है और सभी मोलभाव और समझौते निष्पक्ष तरीके से किए जाएंगे, जो समान भागीदारी का निरूपण करते हैं।

2.2 पारस्परिक जिम्मेदारियों पर समझौता

- खरीद करने वाली कंपनी और उसके साझेदार जिम्मेदार प्रथाओं (जैसे, एक साझा आचार संहिता) की पारस्परिक समझ पर पहुंचते हैं, साझा जिम्मेदारियों को रेखांकित करते हैं। यह दोनों पक्षों के अनुबंधात्मक दायित्वों (4.2) 3 में शामिल है। यह न्यूनतम श्रम मानकों, व्यावसायिक स्थितियों और खरीद व्यवहार के संबंध में खरीद करने वाली कंपनी की अपने साझेदारों के प्रति प्रतिबद्धताओं को दर्शाता है।

2.3 स्थिर, दीर्घकालिक सोर्सिंग संबंध

- खरीद करने वाली कंपनी और सप्लायर स्थिर, दीर्घकालिक व्यावसायिक संबंध विकसित करने और उसे बनाए रखने के लिए मिलकर काम करते हैं।
- खरीद करने वाली कंपनी समय के साथ लॉन्ग टर्म सप्लायरों के अनुपात को बढ़ाती है।

2.4 कम्प्युनिकेशन व समस्या समाधान के लिए साझेदारी दृष्टिकोण

- खरीद करने वाली कंपनी आपूर्तिकर्ताओं के साथ नियमित, प्रभावी और लगातार दो-तरफा कम्प्युनिकेशन के लिए प्रक्रियाएं स्थापित करती है।
- सप्लायरों से कहा जाता है और उन्हें प्रोत्साहित किया जाता है कि वे उत्पादन में आने वाली चुनौतियों को बगैर किसी नकारात्मक व्यावसायिक नतीजों के डर के बताएं।
- खरीद करने वाली कंपनी सप्लायर के साथ साझेदारी में काम करती है ताकि संयुक्त समाधान मिल सके, जिसमें उत्तम कार्य दशाओं को लेकर साझा जिम्मेदारी हो।

2.5 प्रभावी सुझाव कार्य-प्रणाली

- खरीद करने वाली कंपनी के पास खरीद प्रथाओं के प्रभाव पर आपूर्तिकर्ताओं से परामर्श करने के लिए एक नियमित, प्रभावी और व्यवस्थित दृष्टिकोण है, जिसमें जरूरी होने पर श्रमिकों या उनके वैध प्रतिनिधियों से सुझाव लिया जाता है।
- यह सुझाव ऐक्शन प्लान (1.3) का एक अभिन्न अंग है, जिसकी निरंतर समीक्षा की जाती है। आपूर्तिकर्ताओं को बताया जाता है कि उनकी प्रतिक्रिया के कारण क्या बदलाव किए जा रहे हैं और उन्हें इनपुट देने का और अवसर दिया जाता है।
- सप्लायरों पर सर्वे और इंटरव्यू के बोझ को कम करने की कोशिश की जाती है (उदाहरण के लिए खरीद करने वाली कंपनी द्वारा प्रदान की जा सकने वाली निष्पक्ष जानकारी के अनुरोधों को कम कर)। सप्लायर इनपुट को खरीद करने वाली कंपनी द्वारा प्रभावी कार्रवाई के साथ पूरा किया जाता है, ताकि सप्लायरों के लिए लाभ उनके संसाधन की मांग के अनुपात में हो।

2.6 निरंतर सुधार को बढ़ावा देना

- खरीद करने वाली कंपनी सप्लायरों को जरूरी सामाजिक और पर्यावरणीय मानकों को हासिल करने में सहायता देती और सक्षम बनाती है।
- खरीद करने वाली कंपनी ह्यूमैन राइट ड्यू डिलिजेंस⁴ पूरा करती है और श्रम मानकों में निरंतर सुधार को बढ़ावा देने के लिए लिए सप्लायरों के साथ साझेदारी में काम करती है।
- इसमें खरीद करने वाली कंपनी द्वारा सप्लाइ चैन की पूरी लंबाई में RPPs को बढ़ावा दिया जाता है:
 - स्वयं से RPPs प्रदर्शित करना।
 - RPPs प्रशिक्षण और क्रियांवयन के साथ सप्लायरों का समर्थन करना।

2.7 सप्लायरों का मूल्यांकन और इंसेंटिव

- खरीद करने वाली कंपनी सप्लायरों के जिम्मेदार व्यावसायिक आचरण का मूल्यांकन करती है और गुणवत्ता, लागत, देरी जैसे अन्य फैक्टरों के साथ-साथ सोर्सिंग फैसलों में इस पर विचार करती है।
- ये मूल्यांकन व्यावसायिक संबंध आरंभ करने और साथ-साथ नियमित अंतराल पर भी किए जाते हैं।
- जो सप्लायर उत्तम श्रम मानकों में निवेश करते हैं, उन्हें बढ़ावा देते और उनका प्रदर्शन करते हैं, उन्हें पुरस्कृत किया जाता है, जो व्यावसायिक दृष्टि से सार्थक है।

2.8 लाभ और निर्भरता

- खरीदकर्ता कंपनी इस फ्रेमवर्क की प्रथाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और सप्लायरों को श्रम मानकों में सुधार करने के लिए सार्थक रूप से प्रोत्साहित करने के लिए लाभ का उपयोग करती/सृजन करती है।
- खरीद करने वाली कंपनी प्रमुख रणनीतिक सप्लायरों के साथ डाइनेमिक्स और संबंधों से अवगत है और यह सुनिश्चित करती है कि साझेदारी बेहतर श्रम मानकों को सक्षम बनाती है, जबकि खरीदारों के खरीद निर्णयों के लिए अति-निर्भरता और संवेदनशीलता के जोखिमों के प्रति सचेत रहती है।

2.9 बिजनेस में जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से कमी लाने और बिजनेस से बाहर निकलने की रणनीति

- खरीद करने वाली कंपनी सप्लायरों के ऑर्डरों को काफी कम करने (या तो पूर्वानुमान या पिछले वर्षों के मुकाबले) या व्यावसायिक संबंध से बाहर निकलने का मानवाधिकारों पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करती है। यह मूल्यांकन निर्णय लेने की प्रक्रिया का हिस्सा है और किसी भी प्रस्तावित व्यावसायिक निर्णय या गतिविधि⁵ से पहले पूरा किया जाता है⁵।
- अगर खरीद करने वाली कंपनी ऑर्डर में कमी या व्यावसायिक संबंध को खत्म करने के साथ आगे बढ़ती है, तो वे एक जिम्मेदार एक्जिट रणनीति का पालन करते हैं जो सप्लायर व उसके कामगारों के ऊपर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों पर विचार करती है और उन्हें कम करती है। यह राष्ट्रीय कानूनों, अंतर्राष्ट्रीय बेंचमार्क और संगठन के स्तर पर की जाने वाली मोलतोल समझौतों का पालन करता है, जिसमें यह ध्यान रखने की प्रतिबद्धता शामिल रहती है कि व्यवसाय के नुकसान के कारण सीधे बर्खास्तगी के मामले में कामगारों को बर्खास्तगी भुगतान (Severance payments) किया जाता है।

2.10 B2B पार्टनरशिप में जिम्मेदार प्रथाओं को बढ़ावा देना

- खरीद करने वाली कंपनी अपने पार्टनरों (जैसे ठेकेदारों, सरकारी एजेंसियों, या ब्रांडों/रिटेलरों) के साथ मिलकर समस्याग्रस्त प्रथाओं (जैसे मूल्य निर्धारण, समयसीमा) या निर्णयों के संभावित प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाती है और जिम्मेदारीपूर्ण समाधानों को बढ़ावा देती है।



खरीद करने वाली कंपनी और सप्लायरों के बीच निर्णायक पथ और उत्पादन योजना सहयोगात्मक रूप तैयार की जाती है, जिसमें जोखिम व जवाबदेही का उचित वितरण होता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि पूरी प्रक्रिया में श्रमिकों के अधिकारों व श्रम स्थितियों को प्राथमिकता दी जाती हो।



3.1 लीड टाइम्स

- उत्पादन और लीड टाइम्स के लिए समयसीमाएं:
 - सप्लायर के साथ मिलकर विकसित की जाती हैं।
 - उत्तम कार्य स्थितियों और श्रम मानकों (जैसे कि अत्यधिक ओवरटाइम को सीमित करना, वहीं श्रमिकों के वेतन पर इसके प्रभाव पर विचार करना) की अनुमति देती हैं।
 - जोखिम व जवाबदेही के उचित वितरण की अनुमति देती हैं (जैसे कि ऐसे बिंदु जहां सप्लायर के लिए खरीद करने वाली कंपनी की प्रतिबद्धता के साथ निवेश को संरक्षित करना जरूरी होती है)।
- अगर कोई देरी अप्रत्याशित परिस्थितियों (जैसे कि राजनीतिक उथल-पुथल, प्राकृतिक आपदा) के कारण होती है, तो खरीद करने वाली कंपनी सप्लायर के साथ अच्छे संचार और लचीलेपन के साथ काम करती है:
 - जरूरत के अनुसार डिलीवरी टाइम को अनुकूलित करना।
 - यह ध्यान देना कि कामगारों को उचित वेतन दिया जाता है और वर्किंग पैटर्न में किसी भी बदलाव में उनका समर्थन किया जाता है।
 - हरेक पक्ष के आकार और लचीलेपन को ध्यान में रखते हुए वित्तीय बोझ को साझा करना।

3.2 महत्वपूर्ण पथ का अनुपालन

- खरीद करने वाली कंपनी के पास निम्नांकित के लिए एक प्रणाली हो:
 - सहमत समयसीमा के एवज में आंतरिक अनुपालन और देरी को ट्रैक करना।
 - समय पर ऑर्डर देने का ध्यान रखना और देरी और परिवर्तन अनुरोधों को कम करना।
- यदि ऑर्डर में बदलाव किया जाता है (जैसे लीड टाइम, वॉल्यूम):
 - तो ये आपसी सहमती के आधार पर होते हैं और स्पष्ट और निष्पक्ष प्रक्रियाओं पर टिके होते हैं।
 - खरीद करने वाली कंपनी सप्लायरों और कामगारों पर पड़ने वाले प्रभाव को समझने की कोशिश करती है और किसी भी नकारात्मक प्रभाव को रोकने और उसे कम करने के लिए काम करती है।
 - खरीदने वाली कंपनी तब जिम्मेदारी लेती है जब इससे सहमत समयसीमा में देरी हो जाती है (जैसे डिलीवरी की तिथियों को बदलना संबंधित लागतों को वहन करना)।

3.3 सटीक विनिर्देशन

- खरीद करने वाली कंपनी सप्लायरों को सटीक, स्पष्ट विनिर्देश देती है और प्रॉडक्ट डेवलपमेंट फेज के दौरान समय पर प्रतिक्रिया प्रदान करती है। इसमें गुणवत्ता आश्वासन आवश्यकताओं को पूरा करने और प्रासंगिक प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए आवश्यक टेस्टिंग करने में सप्लायरों की सहायता की जाती है।

3.4 पूर्वानुमान

- खरीद करने वाली कंपनी सप्लाई व मांग में अनिश्चितता को कम करने के लिए सप्लायरों की इस प्रकार मदद करती है :
 - बाजार की मांग के बारे में जानकारी साझा और चर्चा कर।
 - बिजनेस पूर्वानुमान को पहले से तैयार कर और उसे बता कर (अच्छी मंशा और उचित देखभाल के साथ और सप्लायर के साथ परामर्श के बाद)।
 - आखिरी बाजार के बारे में नई जानकारी मिलने पर इन पूर्वानुमानों को अपडेट करना।
 - जिस आधार पर कोई पूर्वानुमान तैयार किया गया है, उसे स्पष्ट रूप से संचारित करना।
 - समय के साथ पूर्वानुमान और योजना की सटीकता बढ़ाने की दिशा में काम करना।

3.5 ऑर्डर के उतार-चढ़ाव के प्रभावों को कम करना

- खरीद करने वाली कंपनी ऑर्डर बनाम पूर्वानुमानों के उतार-चढ़ाव के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए सप्लायरों के साथ निम्न प्रकार से काम करती है:
 - यह सुनिश्चित करना कि संबंधित जोखिम व लागतें समान रूप से साझा की जाएं, अन्य बातों के अलावा पूर्वानुमान प्रक्रिया पर प्रत्येक का प्रभाव और नियंत्रण दिखाई पड़ता हो।
 - कामगारों के लिए निहितार्थों को समझने का प्रयास करना और जहां संभव हो, इनसे निपटने के लिए प्रयास करना।

3.6 ऑर्डर संतुलन

- खरीद करने वाली कंपनी अपने ऑर्डर/आवश्यक क्षमता को संतुलित करने, शार्प पीक्स और ट्रफ्स को कम करने और सीर्सिंग बेस को उतार-चढ़ाव को संभालने में मदद करने के लिए कदम उठाती है।
- जहां पूर्वानुमानित/रिकरिंग पीक्स होते हैं, वहां सप्लायरों को सहायता की जाती है और कार्य दशाओं पर अतिरिक्त ध्यान दिया जाता है, खासकर जब एक पीक ऑर्डर पीरियड को कवर करने के लिए कई सप्लायरों को छोटी अवधि के लिए लिया जाता है।

3.7 कम्पोजेंट आपूर्ति

- जब खरीद करने वाली कंपनी सप्लायर के उपयोग के लिए विशिष्ट कम्पोजेंट सप्लायर को नामित करती है, तो वह नामित कम्पोजेंट सप्लायर द्वारा कैलेंडर समय सीमा और गुणवत्ता आवश्यकताओं को पूरा करने की जिम्मेदारी लेती है, और यह ध्यान रखती है कि अगर वे पूरी नहीं होती हैं, तो इसका सप्लायरों पर नुकसानदेह असर नहीं पड़ता हो।

3.8 सैम्पल

- खरीद करने वाली कंपनी विनिर्देशों को अंतिम रूप देने से पहले आवश्यक सैम्पलों की संख्या को सक्रिय रूप से कम करती है और अधिक से अधिक सैम्पलों को ऑर्डर में बदलने का टारगेट रखती है। कंवर्जन रेट की निगरानी की जाती है, और अनुपात में सुधार हेतु उचित कदम उठाए जाते हैं। सप्लायरों को प्रदान किए गए सैम्पलों के लिए उचित मुआवजा दिया जाता है, जिसमें शामिल लागतों को ध्यान में रखा जाता है।





खरीद करने वाली कंपनी और सप्लायर उचित व पारदर्शी भुगतान तथा शर्तों पर सहमत होते हैं, जो किसी एक पक्ष पर ज्यादा बोझ नहीं डालते हैं। अनुबंधात्मक दायित्वों पर आपसी सहमति होती है, उनका सम्मान किया जाता है, और भुगतान पूरा और समय पर किया जाता है।



4.1 अनुबंधात्मक आश्वासनों⁶ का जिम्मेदारीपूर्ण मोलतोल

- खरीद करने वाली कंपनी उचित श्रम दशाओं को प्राथमिकता देते हुए उत्पादन आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु सप्लाइ कॉन्ट्रैक्ट्स पर सौदेबाजी करती है।
- खरीद करने वाली कंपनी अनुबंधों को लेने या छोड़ने से बचती है और सप्लायरों को शर्तों पर सौदेबाजी करने का अवसर प्रदान करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि दोनों पक्ष मानवाधिकार उद्देश्यों में अपना योगदान दें।
- खरीद करने वाली कंपनी पारस्परिक रूप से सहमत, निष्पक्ष और उचित लिखित अनुबंध के जरिए सप्लायरों के साथ तय व्यवस्था को औपचारिक रूप देती है।

4.2 पारस्परिक अनुबंधात्मक जिम्मेदारियों⁷ पर करार

- खरीद करने वाली कंपनी और सप्लायर एक पारस्परिक, लिखित समझौते को मूर्त रूप देते हैं, जिसमें अनुबंधात्मक रूप से बाध्यकारी जिम्मेदारियां (2.2) शामिल होती हैं, जैसे कि दो-तरफा आचार संहिता (CoC) जिसमें दोनों पक्षों के HREDD बाध्यताओं, न्यूनतम श्रम मानकों, व्यावसायिक दशाओं व भुगतान शर्तों को रेखांकित किया जाता है। यह दोनों पक्षों के संविदात्मक बाध्यताओं में शामिल है।
- ये आश्वासन मानवाधिकार मानकों को बनाए रखने हेतु साझा जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए अनुपालन की पुष्टि के लिए उचित उपायों के साथ डिजाइन किए गए होते हैं।
- **Responsible Contracting Project** के **Model Contract Clauses**, वाणिज्यिक समझौतों में खरीदारों और सप्लायरों के बीच साझा जिम्मेदारी स्थापित करने के लिए एक टेम्पलेट प्रदान करते हैं।

4.3 समय पर भुगतान

- खरीद करने वाली कंपनी के पास समय पर भुगतान सुनिश्चित करने और उसकी निगरानी करने के लिए प्रणालियां होती हैं, जो संबंधित पक्षों द्वारा सहमत किए गए होते हैं।

4.4 वित्तीय प्रतिबद्धता

- भुगतान अवधियां ऑर्डर दिए जाने से पहले और सप्लायर द्वारा ऑर्डर से संबंधित कोई भी लागत या जोखिम उठाने से पहले आपसी सहमति के आधार पर तय होती हैं।
- खरीद करने वाली कंपनी आपूर्तिकर्ता की वित्तीय स्थिरता और स्थायित्व, और समय पर कामगारों के वेतन का भुगतान करने की क्षमता को प्रबल बनाने के लिए अपने भुगतान अवधि की लंबाई को कम करती है।
- खरीदकर्ता कंपनी आपूर्तिकर्ता की मांगों को यह सुनिश्चित करते हुए वित्तीय प्रतिबद्धता के साथ पूरा करती है कि उत्पादन का वित्तीय बोझ व जोखिम प्रत्येक पक्ष के आकार और वित्तीय लचीलेपन को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष रूप से साझा किए जाएं। (उदाहरण के लिए, छोटे व्यवसायों के लिए छोटी भुगतान अवधियां या माल या सेवाओं की डिलीवरी से पहले डिपॉजिट का भुगतान कर उत्पादन को वित्तपोषित करने में मदद करना।)

4.5 पूर्वव्यापी परिवर्तन नहीं

- खरीद करने वाली कंपनी ट्रेडिंग के जोखिमों और लागतों के संबंध में सप्लायरों के आश्वासन की आवश्यकता को पहचानती है और निम्नलिखित कार्य करती है :
 - पारस्परिक रूप से सहमत कीमतों में कोई कटौती नहीं।
 - सप्लाइ एग्रीमेंट्स या सप्लाइ टर्म्स में कोई पूर्वव्यापी परिवर्तन नहीं⁸।

4.6 आपस में सहमति बनाकर तय किए उचित पेनल्टीज

- अगर खरीद करने वाली कंपनी के पास सप्लायरों के लिए पेनल्टीज का प्रावधान है, तो वे:
 - केवल पहले से पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर लागू होते हैं।
 - उचित हों, आनुपातिक और स्पष्ट रूप से बताए गए हों।
 - निष्पक्षता और वैधता के लिए खरीद करने वाली कंपनी द्वारा मॉनिटर की जाती है।
 - सप्लायर के लिए पेनल्टीज, खरीद करने वाली कंपनी पर भी लागू होते हैं, जैसे कि अनुबंध संबंधी बाध्यताओं के हिस्से के रूप में देर से भुगतान या गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार करने के लिए।
- सप्लायर की गलती के दावों के लिए खरीद करने वाली कंपनी सहायक साक्ष्य देने में सक्षम है (उदाहरण के लिए गुणवत्ता से जुड़े दंड केवल तभी लागू होते हैं जब व्यापारिक मूल्य प्रभावित होता है, देर से डिलीवरी दंड देरी से होने वाले नुकसान के अनुपात में होते हैं)।

4.7 पेनल्टीज कम करने का लक्ष्य

- खरीद करने वाली कंपनी का लक्ष्य जुर्माना और पेनल्टीज को कम करना है:
 - जारी किए गए दंड और उनके मूल कारणों पर नजर रखना।
 - इन मूल कारणों को कम करने के लिए प्रयास करना।
- अगर खरीद करने वाली कंपनी आपसी सहमति से तय की गई समय-सीमाओं को पूरा नहीं कर पाती है, जो शिपिंग समय-सीमा को प्रभावित करती हैं, तो खरीद करने वाली कंपनी सप्लायरों से देरी से डिलीवरी के एवज में जुर्माना नहीं वसूलती है।

4.8 सप्लाइ चेन टियर्स/बिचौलिये

- खरीद करने वाली कंपनी सप्लाइ चेन की पूरी लंबाई में उचित भुगतान टर्म्स को बढ़ावा देने का प्रयास करती है, इसके लिए:
 - इस सिद्धांत में प्रथाओं द्वारा परिभाषित एजेंटों या बिचौलियों की भुगतान शर्तों की जांच की जाती और स्वीकृति दी जाती है।
 - यह आवश्यक है कि उनके बिचौलिये यह सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी प्रणाली लागू करें कि भुगतान समय पर किए जाते हों और खरीद करने वाली कंपनी द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए नियमित जांच की जाती है कि निरंतर ऐसा किया जा रहा हो।



खरीद करने वाली कंपनी के कॉस्टिंग लेवल और प्रक्रियाएं वेतन वृद्धि व धारणीय उत्पादन का समर्थन करती हैं। कीमतें जिम्मेदार व्यावसायिक आचरण के अनुरूप उत्पादन की सभी लागतों को शामिल करती हैं और एक उचित और बरकरार रखे हुए सप्लायर लाभ मार्जिन की अनुमति देती हैं।



5.1 कीमतें जो जिम्मेदार व्यवसाय आचरण को शामिल करती हैं

- खरीद करने वाली कंपनी इस बात पर विचार करती है कि कीमतों का निर्धारण कैसे किया जाए, ताकि निम्नांकित चीजों को कवर किया जा सके:
 - वेतन।
 - उत्पादन लागत।
 - श्रम व पर्यावरणीय आवश्यकताओं समेत जिम्मेदार व्यवसाय आचरण।
 - उचित और बरकरार रखा गया आपूर्तिकर्ता लाभ मार्जिन।
- यह सुनिश्चित करने के लिए खरीद मॉडल की समीक्षा की जाती है कि खरीदार इन स्तरों से नीचे की कीमतों पर बातचीत न करें (उदाहरण के लिए, आक्रामक मूल्य निर्धारण रणनीति का इस्तेमाल न करें)।
- प्रबंधन प्रणालियां मौजूद हैं, ताकि यदि जब कीमतें इन स्तरों से नीचे हों, तो कारणों (मूल कारणों) की जांच करने और इस पर नजर रखने और इसे रोकने के लिए एक प्रक्रिया पूरी का जा सके। इसमें कंपनी के अपने पर्चेजिंग मॉडल (खरीद मूल्य सहित) की समीक्षा करना शामिल होगा।

5.2 वेतन और लागत वृद्धि को शामिल करना

- खरीद करने वाली कंपनी आपूर्तिकर्ताओं से मूल्य वृद्धि पर उचित विचार करती है जो निम्न कारणों से होती है:
 - संगठन स्तर पर सौदेबाजी से तय हुए वेतन और/या राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन वृद्धि।
 - सप्लायर के नियंत्रण से बाहर इनपुट लागत में वृद्धि (उदाहरण के लिए, सामग्री/पुर्जो, ऊर्जा या परिवहन की बढ़ती लागत)।
 - सप्लायर के नियंत्रण से बाहर लाभ प्रदत्ता में कमी (उदाहरण के लिए, राजनीतिक टकराव, प्राकृतिक आपदाओं या नियामक परिवर्तनों के कारण उत्पादन में बाधा)।
- खरीद करने वाली कंपनी यह सुनिश्चित करने के लिए कीमतों की समीक्षा करती है कि वे जिम्मेदार व्यवसाय आचरण की अनुमति देते हैं (5.1)

जीवन-यापन योग्य वेतन

ग्लोबल सप्लाइ चेन में जीवन-यापन योग्य वेतन हासिल करना एक प्रणालीगत चुनौती बनी हुई है, जिसके लिए समूचे उद्योग में सहयोग की जरूरत है। जीवन-यापन योग्य वेतन का अंतर उद्योगों के बीच अलग-अलग होगा। जीवन-यापन योग्य वेतन के अंतर को देखने वाली खरीद प्रथाएं जिम्मेदार व्यवसाय आचरण का एक अहम हिस्सा हैं।

5.3 जीवन-यापन योग्य वेतन अंतर को समझना

- खरीद करने वाली कंपनी वर्तमान वेतन स्तरों और जीवन-यापन योग्य वेतन के बीच के अंतर को समझना चाहती है।
- खरीद करने वाली कंपनी यह अंदाजा लगाती है कि जीवन-यापन योग्य वेतन के भुगतान के लिए कौन सी कीमतें स्वीकार्य होंगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मानक⁸ इन प्रयासों का समर्थन कर सकते हैं, मगर उन्हें संगठन के स्तर पर कामगारों और/या उनके प्रतिनिधियों के साथ सार्थक संवाद और मोलतोल की जगह नहीं लेनी चाहिए या उनका स्थान नहीं लेना चाहिए।

5.4 जीवन-यापन योग्य वेतन के लिए लागत निर्धारण रणनीति

- खरीद करने वाली कंपनी सप्लायरों के साथ मिलकर काम करती है ताकि भुगतान की गई कीमतें वेतन के स्तर को बढ़ाने की अनुमति दें, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त जीवन-यापन योग्य वेतन स्तर/बेंचमार्क⁹, या जीवन-यापन योग्य वेतन के स्तर तक पहुंचें, जिस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त पद्धतियों के आधार पर प्रासंगिक स्थानीय हितधारकों (जैसे ट्रेड यूनियन) द्वारा सहमति व्यक्त की गई हो।
- अंतर को पूरा के लिए एक ऐक्शन प्लान विकसित की जाती है, जिसे प्रभावी रूप से लागू की जाती है और उसकी निगरानी की जाती है।
- खरीद करने वाली कंपनी यह सुनिश्चित करना चाहती है कि खरीद मूल्य में वृद्धि कामगारों के वेतन में दिखाई पड़े और यह दिखाने की कोशिश करती है कि वेतन को जीवन-यापन वेतन के स्तर तक बढ़ाया जा रहा हो।

5.5 कामगार/कामगारों का प्रतिनिधित्व

- खरीद करने वाली कंपनी जीवन-यापन योग्य वेतन के अंतर¹⁰ को भरने के लिए ऐक्शन प्लान के विकास और प्रभावी कार्यान्वयन में सामूहिक रूप से कामगारों और/या उनके वैध प्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित करती है।



समापन टिप्पणियां

- 1 फ्रेमवर्क ऑन मीनिंगफुल स्टेकहोल्डर एंगेजमेंट The Framework on Meaningful Stakeholder Engagement (MSE Framework) एक गाइड है जिसे कंपनियों को उनके ह्यूमैन राइट्स ड्यू डिलिजेंस में सार्थक हितधारक सहभागिता को शामिल करने में मदद करने के लिए तैयार किया गया है। अधिक जानकारी यहां पाएं। [here](#)
- 2 ETI HRDD Framework कंपनियों के लिए एक गाइड है जो उन्हें श्रम अधिकार जोखिमों को रोकने और प्रबंधित करने में मदद करती है, और यह समझने में मदद करती है कि सहभागिता, सौदेबाजी और सहयोग ही सफल होने का एकमात्र तरीका क्यों है। अधिक जानकारी यहां पाएं। [here](#)
- 3 द रिस्पॉन्सिबल कॉन्ट्रैक्टिंग प्रॉजेक्ट The Responsible Contracting Project (RCP) Toolkit में व्यावहारिक और कई तरह से उपयोगी टूल्स शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल कंपनियां अपने अनुबंधों के मानवाधिकारों व पर्यावरण प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए कर सकती हैं और उनके सप्लाई चेन के विस्तार में भी कर सकती हैं। [here](#)
- 4 ह्यूमैन राइट्स ड्यू डिलिजेंस में कंपनी द्वारा अपने कामकाजों में, सप्लाई चेन में और इसके द्वारा उपयोग की जाने वाली सेवाओं में कामगारों के लिए वास्तविक और संभावित मानवाधिकार जोखिमों की पहचान करने और उन पर कार्रवाई करने के लिए की जाने वाली कार्रवाइयां शामिल हैं। [here](#)
- 5 ACT ने एक नीति पर सहमति व्यक्त की है और एक चेकलिस्ट मौजूद है जिसमें जिम्मेदार फैक्ट्री निकास के लिए एक प्रक्रिया की रूपरेखा दी गई है, जिसका सभी ACT मेम्बर ब्रांडों द्वारा पालन किए जाने की अपेक्षा की जाती है। यह नीति और चेकलिस्ट व्यावसायिक कारणों से फैक्ट्री से बाहर निकलते वक्त लागू होती है (जिसमें बाहर निकलने के उद्देश्य से रैंप डाउन करना भी शामिल है)। अधिक जानकारी यहां पाएं। [here](#)
- 6 द रिस्पॉन्सिबल कॉन्ट्रैक्टिंग प्रॉजेक्ट The Responsible Contracting Project - (RCP) Toolkit में व्यावहारिक और कई तरह से उपयोगी टूल्स शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल कंपनियां अपने अनुबंधों के मानवाधिकारों व पर्यावरण प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए कर सकती हैं और उनके सप्लाई चेन के विस्तार में भी कर सकती हैं। अधिक जानकारी यहां पाएं। [here](#)
- 7 The Supplier Model Contract Clauses 1.0 (2023), जिसे SMCs के रूप में भी जाना जाता है, मॉडल उपखंडों का एक समूह है जिसका उद्देश्य मानवाधिकारों को बेहतर बनाना है। अधिक जानकारी यहां पाएं। [here](#)
- 8 CSDDD द्वारा स्थापित जिम्मेदारीपूर्ण खरीद और जिम्मेदारीपूर्ण प्रोक्योरमेंट के लिए बाध्यताएं। अधिक जानकारी यहां [here](#) पाएं।
- 9 Global Living Wage Coalition (Anker) जैसी मजबूत कार्यप्रणाली के साथ मान्यता प्राप्त बेंचमार्क या ऐसे अनुमान जो किसी वैध और प्रतिनिधि स्थानीय संगठन, आमतौर पर जिसकी ट्रेड यूनियन फेडरेशन और/या कंफेडरेशन द्वारा गणना की जाती और/या समर्थन दिए जाते हैं। अधिक जानकारी यहां पाएं। [here](#)
- 10 वेतन नीतियां, जिसमें जीवन-यापन योग्य वेतन शामिल है। ILO ने वेतन निर्धारण के लिए कुछ प्रमुख सिद्धांतों पर जोर दिया है, जिसमें कामगारों और उनके परिवारों की जरूरतों और आर्थिक कारकों को ध्यान में रखना, राष्ट्रीय संस्थाओं और सामाजिक संवाद को सशक्त बनाना, साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण के लिए मजबूत डेटा और सांख्यिकी का इस्तेमाल करना, लैंगिक समानता और गैर-भेदभाव को बढ़ावा देना, तथा राष्ट्रीय परिस्थितियों को ध्यान में रखना और कम वेतन के मूल कारणों, जैसे कम उत्पादकता और अनौपचारिकता पर ध्यान देना शामिल है। अधिक जानकारी यहां पाएं। [here](#)



इस दस्तावेज की संरचना/सेक्शन और सिद्धांत 'द कॉमन फ्रेमवर्क फॉर रिस्पॉन्सिबल पर्चेजिंग प्रैक्टिस [The Common Framework for Responsible Purchasing Practices \(CFRPP\)](#) से लिए गए हैं। CFRPP को एथिकल ट्रेडिंग इनिशिएटिव [Ethical Trading initiative \(ETI\)](#) द्वारा विकसित किया गया था। एथिकल ट्रेड नॉर्वे [Ethical Trade Norway](#) फेयर वियर जर्मन पार्टनरशिप फॉर सस्टेनेबल टेक्स्टाइल्स [Fair Wear, the German Partnership for Sustainable Textiles \(PST\)](#) और डच एग्रीमेंट फॉर सस्टेनेबल कार्मेन्ट्स [Dutch Agreement for Sustainable Garments \(AGT\)](#).

यह जिम्मेदारीपूर्ण खरीद प्रथाओं के साहित्य के व्यापक बेंचमार्किंग पर आधारित था, जिसमें '5 सिद्धांतों' का निर्माण करने के लिए विषयों और सामग्री को संकलित किया गया था, और इसमें व्यापक हितधारक परामर्श शामिल था। अपने सदस्यों के साथ परामर्श के बाद, ETI का मानना है कि ये 'सिद्धांत' या थीम, कई सेक्टरों में प्रासंगिक हैं। इस फ्रेमवर्क में, प्रत्येक सिद्धांत के तहत 'प्रथाओं' को सामान्य रूप से मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज के लिए उपयुक्त बनाने के लिए संशोधित किया गया है।

इस दस्तावेज में 'प्रथाओं' को इस इंडस्ट्री के लिए उपयुक्त बनाने के लिए संशोधित किया गया है। 'प्रथाओं' को मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है और ऊपर बताए संगठनों द्वारा CFRPP के समकक्ष के रूप में औपचारिक रूप से स्वीकृत नहीं किया जाता है। ETI ने फूड इंडस्ट्री के लिए भी CFRPP विकसित किया है, जिसे यहां देखा जा सकता है। [here.](#)

फोटो: शटरस्टॉक